QAUMI TANZEEM Patna, Monday 16, March. 2026

آئی جی آئی ایم ایس میں کڈنی ٹرانسپلانٹ میٹ کا انعقاد

پٹنہ(ت ن س) اندرا گاندھی انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز پٹنہ نے ورلڈ کڈنی ڈے-2026 (جو 12 مارچ کو تھا) کے موقع پر کڈنی ٹرانسپلانٹ میٹ کا انعقاد کیا۔ اس موقع پر وزیر صحت منگل پانڈے نے آئی جی آئی ایم ایس کیمپس میں اینستھیزیا سمولیشن لیبارٹری اور روبوٹک سرجیکل سسٹم کی سہولیات کا افتتاح کیا۔ انہوں نے کہا کہ جدید ترین ٹیکنالوجی اور جدید تربیتی نظام مریضوں کو بہتر اور محفوظ علاج کے قابل بنائے گا۔ وزیر صحت نے کہا کہ عزت مآب وزیر اعلیٰ جناب نتیش کمار کی قیادت اور رہنمائی میں بہار میں صحت کی خدمات کو مسلسل مضبوط کیا جا رہا ہے اور لوگوں کو بہتر اور جدید طبی سہولیات مہیا کی جا رہی ہیں۔ پروگرام کے دوران دیگھا کے ایم ایل اے سنجیو چورسیا بھی موجود تھے۔ پانڈے نے بتایا کہ پٹنہ کے اندرا گاندھی انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز میں اینستھیزیا سمولیشن لیبارٹری قائم کی گئی ہے۔ یہ جدید ترین لیبارٹری الجیوبٹ ہیلتھ کیئر انکارپوریشن، USA کے تیار کردہ آلات سے لیس ہے۔ یہ تقریباً 10 کروڑ روپے کی لاگت سے قائم کیا گیا تھا، جس میں 10 سال کی جامع سالانہ دیکھ بھال شامل ہے۔ یہ سہولت طبی تعلیم اور تربیت کے میدان میں ایک اہم کامیابی ہے۔ یہ سمولیشن لیبارٹری بے ہوشی کے ماہرین، رہائشی معالجین، اور طبی طلباء کو حقیقی زندگی کے حالات سے ملتے جلتے ماحول میں تربیت فراہم کرے گی۔ اس جدید ترین تربیتی سہولت کا قیام آئی جی آئی ایم ایس کو ملک کے سرکردہ اداروں میں جگہ دے گا۔ مسٹر پانڈے نے کہا کہ روبوٹک سرجیکل سسٹم کی سہولیات کا بھی افتتاح کیا گیا۔

श्री मंगल पाण्डेय

00:11:04 / 00:11:04
NISHCHETANAM
ANAESTHESIOLOGY, IGIMS, PATNA

KIDNEY TRANSPLANT MEET-2026
Celebrating 10 Years of Kidney Transplant
Excellence in IGIMS

TRANSPLANT MEET
Celebrating 10 Years of Kidney Transplant
Excellence in IGIMS
&
World Kidney Day, 2026

श्री मंगल पाण्डेय
श्री मंगल पाण्डेय

da Vinci

DAVINCI
SWIT

DAVINCI
PUSH

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने की शुरुआत, कहा- मरीजों को बेहतर और सुरक्षित उपचार मिलेगा

सुविधा: आईजीआईएमएस के आठ विभागों में रोबोटिक सर्जरी शुरू

50 करोड़ से रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की शुरुआत हुई

- 10 करोड़ से एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री का भी शुभारंभ हुआ

पटना, प्रसं। आईजीआईएमएस के आठ विभागों में रोबोटिक सर्जरी शुरू हो गई। अब मरीजों को राज्य में ही अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस बेहतर और सुरक्षित उपचार मिलेगा।

आईजीआईएमएस में विश्व किडनी दिवस पर किडनी ट्रांसप्लांट मीट के दौरान रविवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आईजीआईएमएस परिसर में एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री और रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की सुविधाओं का शुभारंभ किया। रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम शुरू होने से आईजीआईएमएस देश का अग्रणी संस्थान बन गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री की स्थापना आईजीआईएमएस की गई है। यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला एलीवेट हेल्थकेयर इंक, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित उपकरणों से सुसज्जित है। यह लगभग 10 करोड़ से स्थापित की गई है। यह सुविधा चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आईजीआईएमएस में एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री, रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का रविवार को शुभारंभ करते मंत्री मंगल पांडेय। मौके पर विधायक संजीव चौरसिया व अन्य मौजूद रहे।

10 वर्षों में 138 किडनी प्रत्यारोपण: बिहार सरकार के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन से आईजीआईएमएस में मार्च 2016 में किडनी प्रत्यारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक शुरू किया गया था। दस वर्ष पूरे हो चुके हैं। स्थापना के बाद से अब तक आईजीआईएमएस में 138 किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं, जिनके परिणाम देश के प्रमुख प्रत्यारोपण केंद्रों के समान हैं मौके पर कार्यक्रम के दौरान दीघा के विधायक संजीव चौरसिया भी मौजूद रहे। आईजीआईएमएस के निदेशक डॉ. बिन्दे, उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा, डॉ. एनआर विश्वास, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. ओम कुमार, डॉ. विश्वास, डॉ. पीके झा, सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, आईजीआईएमएस के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अमेरिका निर्मित है रोबोटिक सिस्टम

मंत्री ने कहा कि रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की सुविधाओं का भी शुभारंभ किया गया। यह गर्व का विषय है कि द विंची एक्सआई शल्य प्रणाली, जिसे इंट्यूटिव सर्जिकल इंक, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित किया गया है, जिसे आईजीआईएमएस में स्थापित किया गया है। आधुनिक रोबोटिक शल्य प्रणाली, जिसमें 10 वर्षों की वार्षिक अनुरक्षण सेवा भी शामिल है।

अत्याधुनिक लैब और रोबोटिक सर्जरी से आईजीआईएमएस बना अग्रणी संस्थान

एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री और क्रय रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का स्वास्थ्य मंत्री ने किया शुभारंभ

आईजीआईएमएस में किडनी प्रत्यारोपण के 10 वर्ष पूर्ण, 138 सफल प्रत्यारोपण हुए

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

पटना : इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में किडनी ट्रांसप्लांट मीट-2026 के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री की सुविधाओं और रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की सुविधाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि अत्याधुनिक तकनीक और आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था से मरीजों को और बेहतर व सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है तथा लोगों को बेहतर और आधुनिक

चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मौके पर विधायक संजीव चौरसिया भी मौजूद रहे।

श्री पांडेय ने कहा कि इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में 10 करोड़ रुपये की लागत से एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री की स्थापना की गई है जो अत्याधुनिक प्रयोगशाला एलीवेट हेल्थकेयर इंक, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित उपकरणों से सुसज्जित है। यह सुविधा चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके माध्यम से एनेस्थीसिया विशेषज्ञों, रेजिडेंट चिकित्सकों तथा चिकित्सा विद्यार्थियों को वास्तविक परिस्थितियों के समान वातावरण में प्रशिक्षण प्रदान किया जा सकेगा।

श्री पांडेय ने कहा कि आज ही रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की सुविधाओं का भी शुभारंभ किया गया। 40 करोड़ रुपये वाले इंट्यूटिव सर्जिकल इंक, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित द विंची एक्सआई शल्य प्रणाली को इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में स्थापित किया गया है। जो राज्य में अति-विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन अत्याधुनिक प्रणाली की स्थापना के साथ ही आईजीआईएमएस देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों की श्रेणी में शामिल हो गया है। इस अवसर पर आईजीआईएमएस के निदेशक डॉ. बिन्दे, डॉ. एन. आर. विश्वास, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. ओम कुमार, डॉ. विश्वास, सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, आईजीआईएमएस के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रदेश के लोगों को मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा : मंगल

आईजीआईएमएस में एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री एवं रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की सुविधाओं का शुभारंभ

पटना (आससे)। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार बेहतर किया जा रहा हैं। आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं लोगों को मिल रही हैं।

उक्त बातें उन्होंने आईजीआईएमएस में शनिवार को विश्व किडनी दिवस 2026 के अवसर पर किडनी ट्रांसप्लांट मीट 2026 को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संस्थान के परिसर में एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री की सुविधाओं और रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की सुविधाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक और आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था से मरीजों को बेहतर और सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री की स्थाना आईजीआईएमएस में की गई हैं। यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला एलीवेट हेल्थकेयर इंक, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित उपकरणों से सुसज्जित हैं। यह लगभग दस करोड़ की लागत से स्थापित की गई हैं। जिसमें दस वर्षों की व्यापक वार्षिक अनुरक्षण सेवा भी शामिल हैं। यह सुविधा चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण

के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की सुविधाओं का भी शुभारंभ किया गया। यह अत्यंत गर्व का विषय है कि द विंची एक्सआई शल्य प्रणाली, जिसे इंट्यूटिव सर्जिकल इंक, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित किया गया हैं। जिसको आईजीआईएमएस में स्थापित किया गया हैं। लगभग 40 करोड़ की लागत से क्रय किया गया। यह अत्याधुनिक रोबोटिक शल्य प्रणाली है, जिसमें वर्षों की व्यापक वार्षिक अनुरक्षण सेवा भी शामिल हैं। राज्य में अति-विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। इस अवसर पर दीघा विधायक डा.संजीव चौरसिया, संस्थान के निदेशक डा.बिन्दे कुमार, डा.एन.आर.विश्वास, डा.हेमंत कुमार, डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा, डा.ओम कुमार समेत अन्य वरीय चिकित्सक उपस्थित थे।

सुविधा. पूर्वी भारत के पहले रोबोटिक सिस्टम का हुआ उद्घाटन

आइजीआइएमएस : आठ विभागों में अब नियमित होगी रोबोट से सर्जरी

संवाददाता, पटना

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) में इलाज कराने आ रहे मरीजों के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि अब नियमित रूप से आठ विभागों में रोबोट से सर्जरी की जायेगी. इसके अलावा एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री के नये विभाग में संस्थान के अलावा पूरे बिहार के एनेस्थीसिया के डॉक्टरों को आधुनिक ट्रेनिंग भी दी जायेगी. दरअसल, रविवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आइजीआइएमएस में विश्व किडनी कार्यक्रम के अवसर पर 10 करोड़ से बनी एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री का और 50 करोड़ रुपये से तैयार रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का शुभारंभ किया. मंत्री का स्वागत सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ पीके झा व यूरोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ रोहित उपाध्याय ने किया. ये दोनों सुविधाएं रविवार से नियमित तौर पर मरीजों के लिए शुरू कर दी गयी. इसके लिए ऑडिटोरियम में एक कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया गया. दोनों नयी सुविधाओं के उद्घाटन के मौके पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के अलावा दीघा विधायक संजीव चौरसिया, पद्मश्री डॉ हेमंत कुमार, संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ एनआर विश्वास, निदेशक डॉ बिंदे कुमार, किडनी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ ओम कुमार आदि कई डॉक्टर उपस्थित थे.

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री का भी किया शुभारंभ

रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम के शुभारंभ के मौके पर मंत्री मंगल पांडेय व अन्य.

आधुनिक रोबोटिक मशीन स्थापित की गयी

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आइजीआइएमएस में आधुनिक रोबोटिक मशीन लगी है. यह मशीन पूर्वी भारत के किसी सरकारी अस्पताल में पहली बार स्थापित की गयी. सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ पीके झा ने कहा कि आइजीआइएमएस के क्षेत्रीय कैंसर सेंटर में रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का शुभारंभ किया गया है. इससे यूरोलॉजी, पेडियाट्रिक, कैंसर, आइवीएफ, गायनी ऑन्कोलॉजी, व जेनरल सर्जरी समेत आठ विभागों के मरीजों की सर्जरी की जायेगी.

₹50 हजार में सर्जरी, ब्लड भी कम बहेगा

डॉ पीके झा ने बताया कि रोबोटिक तकनीक से जहां मरीजों को मात्र 50 हजार रुपये में सर्जरी हो जायेगी, वहीं शरीर से न के बराबर खून बहेगा और मरीज को लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती होने से भी छुटकारा मिलेगी. जबकि निजी अस्पतालों में 3 से 4 लाख रुपये लगते है. इसके अलावा एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री से अब संस्थान आने वाले दिनों में एनेस्थेसिया के मामले में नोडल सेंटर के रूप में स्थापित हो जायेगा.

आइजीआइएमएस में 10 वर्षों में 138 सफल किडनी ट्रांसप्लांट

पटना. आइजीआइएमएस में शनिवार को विश्व किडनी दिवस-2026 (जो 12 मार्च को था) के उपलक्ष्य पर किडनी ट्रांसप्लाट मीट-2026 का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे थे. इस मौके पर मंगल पांडे ने कहा कि बिहार सरकार के लगातार सहयोग और मार्गदर्शन से आइजीआइएमएस में मार्च, 2016 में किडनी प्रत्यारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक शुरू किया गया, जिसे आज 10 वर्ष पूरे हो चुके हैं. वहीं, संस्थान के किडनी विभाग के अध्यक्ष डॉ ओम कुमार ने कहा कि स्थापना के बाद से अब तक आइजीआइएमएस में 138 किडनी का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया जा चुका है, जिनके परिणाम देश के प्रमुख प्रत्यारोपण केंद्रों के समान हैं. इस अवसर पर आइजीआइएमएस के निदेशक डॉ बिंदे कुमार, डॉ एनआर विश्वास, डॉ हेमंत कुमार सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, आइजीआइएमएस के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

आईजीआईएमएस : 8 विभागों में रोबोटिक सर्जरी होगी, अब मरीज नहीं जाएंगे बाहर

दा-विंची एक्सआई रोबोटिक सिस्टम और एनेस्थीसिया लैब का उद्घाटन

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

आईजीआईएमएस के आठ विभागों में अब रोबोटिक सर्जरी होगी। जो ऑपरेशन निजी अस्पतालों में 3 से 4 लाख रुपए में होते हैं, वे यहां करीब 50 हजार रुपए में हो सकेंगे। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने रविवार को आईजीआईएमएस में लगभग 50 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित दा-विंची एक्सआई रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम और 10 करोड़ रुपए की एनेस्थीसिया सिमुलेशन लैब का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत के सरकारी क्षेत्र में स्थापित यह पहला रोबोटिक सिस्टम है, जिससे राज्य में आधुनिक, सटीक और किफायती सर्जरी की सुविधा विकसित होगी। बिहार के मरीजों को जटिल इलाज के लिए महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार निवेश कर रही है। वे विश्व किडनी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह प्रयोगशाला अमेरिका की एलीवेट हेल्थकेयर इंक के उपकरणों से लैस है।

10 साल में 138 किडनी प्रत्यारोपण

आईजीआईएमएस में किडनी प्रत्यारोपण कार्यक्रम के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस अवधि में संस्थान में 138 किडनी प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से आईजीआईएमएस में मार्च 2016 में किडनी प्रत्यारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। आज यहां मरीजों को राहत मिल रही है।

रोबोटिक सर्जरी से आसान हुआ रोग का निदान

आइजीआइएमएस में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया अत्याधुनिक सिमुलेशन लैब का शुभारंभ

जागरण संवाददाता, पटना : स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने रविवार को आइजीआइएमएस में किडनी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दो अत्याधुनिक सुविधाओं की शुरुआत की। उन्होंने 10 करोड़ लागत से एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री व 50 करोड़ रुपये की लागत वाले रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आइजीआइएमएस में दा-विंची एक्सआइ आधुनिक रोबोटिक मशीन स्थापित की गई है। यह मशीन पूर्वी भारत का पहला रोबोटिक सिस्टम है, जिसे पहली बार किसी सरकारी संस्थान में लगाया गया है। इससे आठ विभिन्न विभागों के रोगियों की सर्जरी हो सकेगी। इसके पूर्व सर्जरी के विभागाध्यक्ष डा. पीके झा व यूरोलाजी के विभागाध्यक्ष डा. रोहित उपाध्याय ने स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में दीघा विधायक संजीव चौरसिया, पद्मश्री से सम्मानित डा. हेमंत कुमार, संस्थान के पूर्व निदेशक डा. एनआर विश्वास, निदेशक डा. बिन्दे कुमार, किडनी रोग के विभागाध्यक्ष डा. ओम कुमार, डा. प्रीतपाल समेत कई वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित थे।

आइजीआइएमएस में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम के उद्घाटन के बाद अधिकारियों व डाक्टरों के साथ स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय। सौ. आइजीआइएमएस

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि रविवार से ही दोनों सेवाएं शुरू की गईं। इससे नियमित रूप से आठ विभागों में रोबोट की मदद से सर्जरी की जाएगी। एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री के नए विभाग में संस्थान के साथ-साथ प्रदेश भर के एनेस्थीसिया डाक्टरों को आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विधायक संजीव चौरसिया ने कहा कि संस्थान में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। अब मरीजों को दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों के बड़े अस्पतालों में इलाज के लिए नहीं जाना पड़ रहा है। सर्जरी के विभागाध्यक्ष डा. पीके झा ने बताया कि आइजीआइएमएस के क्षेत्रीय कैंसर सेंटर में रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की शुरुआत की गई है। इस रोबोट से यूरोलाजी, पीडियाट्रिक, कैंसर, आइवीएफ, गायनी ऑंकोलाजी, गायनी कैंसर व जनरल सर्जरी समेत आठ विभागों के मरीजों की सर्जरी की जाएगी। रोबोटिक तकनीक से मरीजों की सर्जरी मात्र 50 हजार रुपये में हो सकेगी। इससे मरीजों को लंबे समय तक भर्ती नहीं रहना होगा। उन्होंने बताया कि निजी अस्पतालों में इसी तरह की सर्जरी के लिए तीन से चार लाख रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। वहीं एनेस्थीसिया के विभागाध्यक्ष डा. प्रकाश दुबे ने बताया कि एनेस्थीसिया सिमुलेशन लेबोरेट्री शुरू होने से आने वाले समय में संस्थान एनेस्थीसिया प्रशिक्षण के क्षेत्र में नोडल सेंटर के रूप में स्थापित होगा।

आइजीआइएमएस में 2016 से अब तक हुए 138 किडनी ट्रांसप्लांट, संस्थान देश के प्रमुख प्रत्यारोपण केंद्रों के समकक्ष

जागरण संवाददाता, पटना : आइजीआइएमएस में विश्व किडनी दिवस पर रविवार को किडनी ट्रांसप्लांट मीट का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सरकार के निरंतर सहयोग व मार्गदर्शन से आइजीआइएमएस में मार्च 2016 में किडनी प्रत्यारोपण शुरू हुआ था। अब इस कार्यक्रम को दस वर्ष पूरे हो चुके है, जो राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वहीं, किडनी रोग के विभागाध्यक्ष डा. ओम कुमार ने बताया कि अब तक संस्थान में कुल 138 किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इन प्रत्यारोपणों के परिणाम देश के प्रमुख प्रत्यारोपण केंद्रों के समकक्ष है, जो संस्थान की चिकित्सा गुणवत्ता और विशेषज्ञता को दर्शाता है। मौके पर आइजीआइएमएस के निदेशक डा. बिन्दे कुमार, डा. एनआर विश्वास, पद्मश्री से सम्मानित डा. हेमंत कुमार, डा. प्रीतपाल सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किडनी प्रत्यारोपण से जुड़ी उपलब्धियों, अनुभवों व भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है।

ICD Trainer

श्री मंगल पाण्डेय

TRANSPLANT MEET -
Celebrating 10 Years of Kidney Transplant
Excellence in IGIMS
&
10

श्री मंगल पाण्डेय
श्री मंगल पाण्डेय

Check Tx's input signal

KIDNEY TRANSPLANT MEET - 2026
Celebrating 10 Years of Kidney Transplant Excellence in IGIMS
&
World Kidney Day, 2026, IGIMS, Patna
(15.03.2026)
10 YEARS
HKF
20
World Kidney Day
Department of Nephrology, IGIMS, Patna
Prof. (Dr.) Om Kumar, HOD, Nephrology | Prof. (Dr.) Prit Pal Singh
Dr. Prem Shankar Patel | Dr. Shalini Sinha | Dr. Rajeshwar Rao

KIDNEY TRANSPLANT MEET - 2026
Celebrating 10 Years of Kidney Transplant Excellence in IGIMS
&
World Kidney Day, 2026, IGIMS, Patna
(15.03.2026)
10
YEARS
HKF
World Kidney Day
Department of Nephrology, IGIMS, Patna
Prof. (Dr.) Om Kumar, HOD, Nephrology | Prof. (Dr.) Prit Pal S
Dr. Prem Shankar Patel | Dr. Shalini Sinha | Dr. Rajeshwar R